ToB बालमंच

मासिक जनवरी- 2023 नन्हीं कलम से ..... ✍

भारत पर्व विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

प्रेशर कूकर में खाना जल्दी पकता है, क्यों ?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय

म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 25

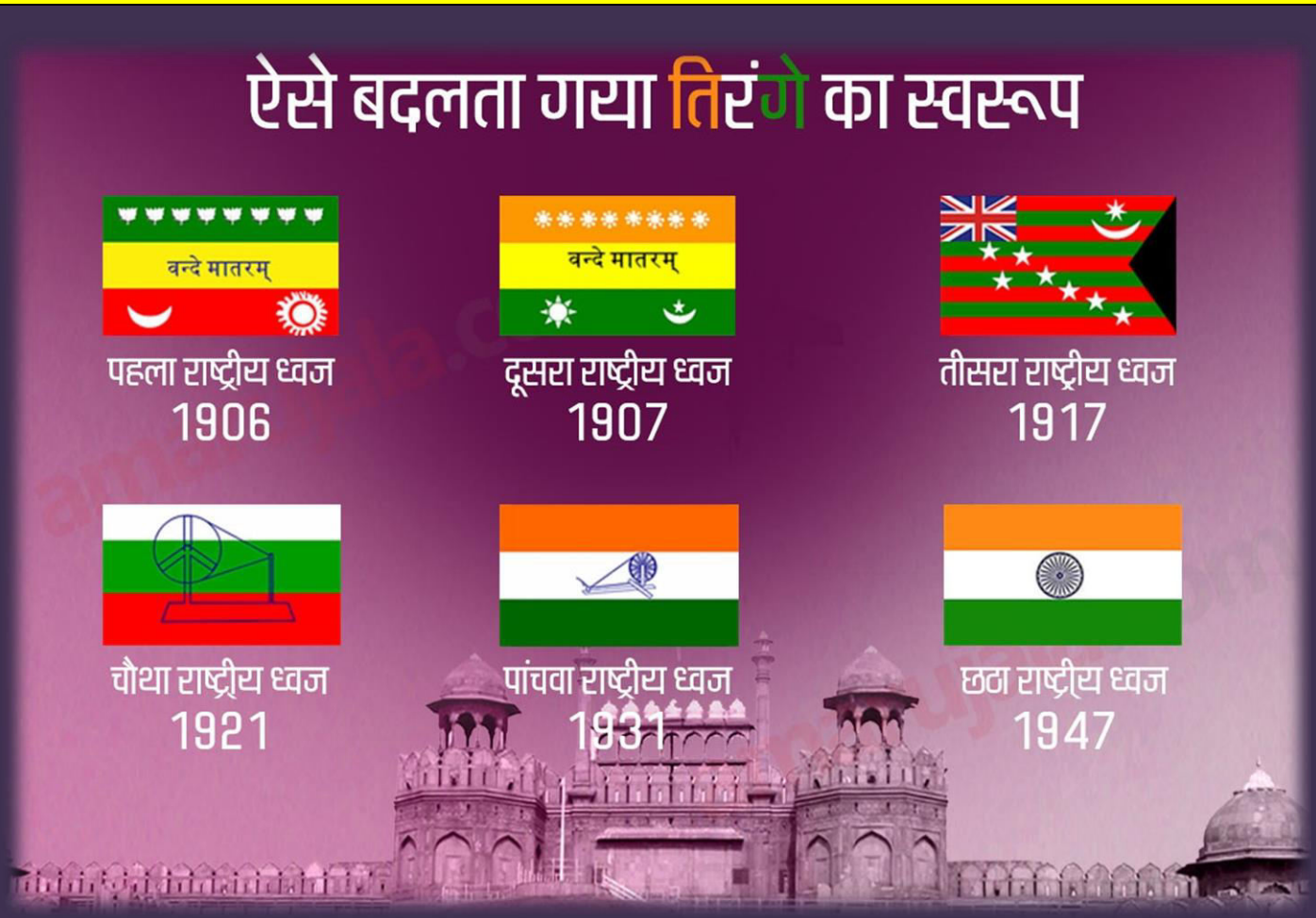

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का भारत पर्व विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

यह अंक बहुत ही महत्वपूर्ण है।आप को पता है कि वेसे तो हमारा देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेज़ों के चंगुल से आज़ाद हो गया था परंतु इस आज़ादी को रूप 26 जनवरी को दिया गया। तब से अब तक हम इस दिवस को आज़ादी के दिन के रूप मे मनाते है ।गणतंत्र दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि 26 जनवरी 1950 को पूरे 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगा कर बनाया गया संविधान लागू किया गया था और हमारे देश भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया।

प्रत्येक भारत वासियों को भारत के शहीदों से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने देश को ऊँचाई तक पहुंचाने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए और हर भारतीय का कर्तव्य बनता है कि वह देश के विकास के लिए अपना पूरा योगदान दे और देश की रक्षा के लिए हर समय खड़ा रहे।

इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण विशेषांक में आप भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता अवश्य सुनिश्चित करें। मुझे उम्मीद है की आप हमारी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

हमारे देश के नन्हे सैनिक तथा बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना तथा गणतंत्र दिवस की ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ.....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

आजादी के साथ ही देश के लिए एक संविधान की जरूरत भी महसूस हुई। ऐसे में इसे बनाने के लिए एक संविधान सभा का गठन हुआ था। इस सभा ने 9 दिसंबर, 1946 से संविधान बनाने का काम शुरू किया। भारत की इस संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे। जबकि संविधान की ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे। डॉ. अंबेडकर ने भारत के संविधान को बनाने में एक अहम भूमिका निभाई थी, जिसकी वजह से उन्हें संविधान निर्माता भी कहा जाता है। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसे बनाने में पूरे 2 साल, 11 माह, 18 दिन लगे थे। इसके बाद 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को देश का संविधान सौंपा था। यही वजह है कि हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। 26 नवंबर को स्वीकार किए गए भारत के संविधान को लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन ही क्यों चुना गया, यह सवाल लगभग हर भारतीय के मन में आता होगा। संविधान लागू करने के लिए इस तारीख को चुनने का भी एक खास मकसद था। दरअसल, 26 जनवरी 1930 को अंग्रेजों की गुलामी के खिलाफ कांग्रेस ने भारत को पूर्ण स्वतंत्र घोषित किया था। ऐसे में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव लागू होने की इस तिथि के महत्व को ध्यान में रखते हुए संविधान लागू करने के लिए 26 जनवरी का दिन चुना गया था। 1950 में इसी दिन संविधान लागू करने के साथ ही देश को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया और तब से लेकर अब तक हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

आशा है ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा |

ढेर सारी शुभकामनाएँ सहित.....

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. निधि चौधरी, नया प्रा.वि. सुहागी (किशनगंज)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1.	प्रधान सम्पादक की कलम से	14.	विद्यालयी क्रियाकलाप
2.	सम्पादकीय	15.	क्या आप जानते हैं ?
3.	आवरण कथा	16.	अंग्रेजी सीखें
4.	कविता	17.	ड्राइंग / पेंटिंग
5.	कहानी	18.	उभरते सितारे
6.	हँसो रे बाबू	19.	फोटो ऑफ़ द मंथ
7.	बूझो तो जानें	20.	हिंदी ज्ञान
8.	वैज्ञानिक कारण	21.	प्रमुख दिवसें
9.	कहानी बनाओ प्रतियोगिता	22.	प्रेरक प्रसंग
10.	अखबारों की नजर में हम	23.	रोचक तथ्य
11.	उभरते सितारे	24.	खेल-खेल में योग
12.	तकनीकी कोना	25.	तुम भी बनाओ.....
13.	बालमन	26.	आपकी बात आपकी जुबानी

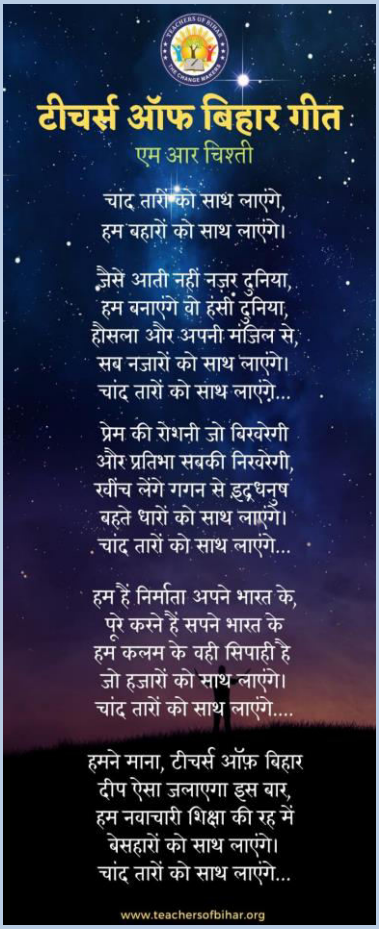

प्रेरक प्रसंग

भगतसिंह कारावास में थे । एक दिन भगतसिंह के परिजन उनसे मिलने लाहौर गए । भगतसिंह को बरैक से बाहर लाया गया । उनके साथ पुलिस अफसर सहित कई जवान थे । भगतसिंह सदैव की तरह अपने घरवालों से मिले । उनके चेहरेपर परेशानी के लेशमात्र भी चिन्ह नहीं थे । उन्हें पूर्ण विश्वास था कि परिजनों से यह उनकी आखिरी मुलाकात है । उन्होंने मां से कहा, "बेबेजी, (पंजाबी भाषा में मां को बेबेजी कहते है) दादाजी अब ज्यादा दिन तक नहीं जिएंगे । आप बंगा जाकर उनके पास ही रहना ।" उन्होंने सबका धैर्य बंधाया, सबको सांत्वना दी । अंत में मां को पास बुलाकर हंसते-हंसते मस्ती भरे स्वर में कहा, "लाश लेने आप मत आना । कुलबीर को भेज देना । कहीं आप रो पडीं, तो लोग कहेंगे कि भगतसिंह की मां रो रही है ।" इतना कहकर वे इतनी जोर से हंसे कि जेल अधिकारी उन्हें फटी आंखों से देखते रह गए ।

क्रांतिकारीयों को मृत्यु का कोई भय नही था । अपनी भारतमाता के लिए प्राणों का बलिदान देने में उन्हे गर्व अनुभव हो रहा था । उनकी देशभक्ति कितनी थी, यह हमें सिखने मिलता है । हमारे मन में देश के प्रति उनके जैसा प्रेम/ भक्ति है क्या, यह हमें देखना चाहिए । देश के प्रति हर कर्तव्य निभाना चाहिए ।

विकास कुमार,
म.वि.महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि 'टीचर्स ऑफ बिहार' के द्वारा बच्चों की मासिक ई-पत्रिका 'ToB बालमंच' का प्रकाशन किया जा रहा है जो सुदूर ग्रामीण इलाकों के बच्चों तक भी आसानी से पहुँच रही है। यह बच्चों का मनोरंजन तो करती ही है साथ ही उन्हें अपने अंदर छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने, सीखने तथा अपनी रचनात्मक क्षमता को विकसित करने के अवसर भी प्रदान करती है।

यह बच्चों तथा शिक्षकों को एक ऐसा 'अपना मंच' प्रदान करती है जहां बच्चे बेझिझक अपने विचारों तथा कल्पनाओं को आकार देकर, अपनी रचनाओं एवं सृजन को साझा कर सकते हैं। पत्रिका के कॉलमों के निर्धारण में बच्चों की रुचि, उनके मनोविज्ञान, उनके सर्वांगीण विकास तथा सीख कर आगे बढ़ने हेतु पूरा ध्यान रखा गया है, यथा- साज-सज्जा, रंग, कहानी, कविता, चुटकुला, चित्रकला, वैज्ञानिक कारण, बूझो तो जानें, सामान्य ज्ञान, योग आदि जिससे यह एक उत्कृष्ट बाल पत्रिका के रूप में उभर सकी है। बच्चों में उत्साह तथा सृजन का संचार करने के लिए 'टीचर्स ऑफ बिहार' को कोटिशः धन्यवाद।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका बच्चों एवं शिक्षकों को नवाचार तथा सीखने-सिखाने के लिए प्रेरित करती रहेगी। इसकी लोकप्रियता के लिए ToB के संस्थापक तथा ToB बालमंच के संरक्षक श्री शिव कुमार, श्री शिवेन्द्र सुमन, प्रधान संपादिका श्रीमती रूबी कुमारी, संपादक श्री त्रिपुरारि राय, सह-संपादिका सुश्री ज्योति, निधि, सर्वश्री विकास, मृत्युंजयम, रंजेश सहित पूरे संपादक मंडल, तथा टीचर्स ऑफ बिहार के सभी विद्वान/विदुषी, ऊर्जावान तथा उत्साही सदस्यों को हार्दिक बधाई, साधुवाद, धन्यवाद तथा उत्तरोत्तर बढ़ती हुई गुणवत्ता के साथ पत्रिका के निर्बाध प्रकाशन हेतु असीम शुभकामनाएँ ...

आभा रानी
प्रकाशन पधादिकारी - सह -लोक सूचना पदाधिकारी
- सह - नोडल पदाधिकारी e-Compliance Dashboard
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार, पटना

FLN गतिविधि लिंक On TOB

1. https://fb.watch/iqgMCnMCS_/
2. https://www.facebook.com/100009137007906/videos/736733181089987/
3. https://www.facebook.com/100032749326662/videos/3339944602911011/
4. https://www.facebook.com/100045560831127/videos/738200194269119/
5. https://www.facebook.com/100022421415977/videos/536425521801304/
6. https://www.facebook.com/100022421415977/videos/2406850946134972/

बालमंच सामान्य ज्ञान

1. संसद का संयुक्त अधिवेशन कौन बुलाता है ? उतर –राष्ट्रपति

2. एलबीडबल्यू (LBW) शब्द किस खेल से है ? उतर – क्रिकेट

3. वायुमंडल की कौन सी परत हमें सूर्य से आने वाली अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाती है ? उतर – ओजोन

4. ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह कहाँ है ? उतर -अजमेर

5. सम्राट अशोक ने किस युद्ध के बाद बोद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था ? उतर -कलिंग युद्ध

6. भारत का केन्द्रीय बैंक कौनसा है ? उतर – भारतीय रिज़र्व बैंक

7. सालारजंग म्यूजियम कहाँ है ? हैदराबाद

8. भारत में सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री कौन रहा है ? उतर – ज्योति बसु (पश्चिम बंगाल)

9. संसार की सबसे लम्बी नदी कौनसी है ? उतर – नील

10. किस तापमान पर सेल्सियस और फारेनहाइट तापमान बराबर होता है ? उतर –40 डिग्री

11. कांसा किसकी मिश्रधातु है ? उतर – तांबा और टिन

12. दलीप ट्राफी का सम्बन्ध किस खेल से है ?उतर -क्रिकेट

13. LPG का पूर्ण विस्तार क्या होगा ? उतर -Liqified Petroleum Gas

Mantasha Begam, Class-5,
UMS DOGACHHI

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें| उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरष्कृत किया जाएगा | कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

बूझो तो जानें..

हंसो रे बाबू

रुकमणी कुमारी,मध्य विद्यालय पोखराम उत्तरी, दरभंगा

क्या आप जानते हैं ?

अंग्रेजी सीखें

1. Factions = गुट
2. Alliances = गठबंधन
3. Tilting = आलोचना
4. Meek = विनम्र
5. Concord = एकता
6. Largess = उदारता
7. Accolade = पुरस्कार
8. Omission = हटाना
9. Adminstaration = प्रशासन
10. Exasperade = भड़काना
11. Interesting – रोचक
12. Painful - दुखदायी
13. Disease – बीमारी
14 . Festival - त्यौहार
15. Always – हमेशा
16. Rare - दुर्लभ
17. Ideal – आदर्श
18. Citizen - नागरिक
19 . Pleasant - सुहावना
20 . Mankind - मानव जाति

एकता भारती, वर्ग- 6, बेगूसराय

कविता : हमारा हिन्दुस्तान

हम सब है हिन्दुस्तानी सारे
नन्हे मुन्ने हम है देश के सितारे
फूलो जैसे हमे हमारी मां ने सवारे
भारत मां के सब आंखो के तारे|
आओ हम प्रण करे
इस हिन्दुस्तान को और हम संवारे
जग मे किसी को समझे न गैर
अब न करे किसी से बैर|
फिक्र करे हम इस भारत की
बिगड़ी बात बनाने की
रोकनी है हमे आंधी नफरत की
दुनियां को दिखानी है राह प्यार की|
हम सब है हिन्दुस्तानी सारे
जुल्म के आगे न सर झुकाने वाले
हम है इस देश के रखवाले
हम सब है हिन्दुस्तानी सारे||

अक्स नाज, कक्षा- ९, ठाकुरगंज

Asirun Khatoon, Class- 4

फोटो ऑफ़ द मंथ

एकता कुमारी, मध्य विद्यालय पौखराम उत्तरी दरभंगा

प्रमुख दिवसें

1 जनवरी- वैश्विक परिवार दिवस
4 जनवरी- विश्व ब्रेल दिवस
6 जनवरी- युद्ध के अनाथ का विश्व दिवस
9 जनवरी- एनआरआई दिवस
10 जनवरी- विश्व हिंदी दिवस
11 जनवरी- राष्ट्रीय मानव विज्ञान जागरूकता दिवस
11 जनवरी- लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि
12 जनवरी- राष्ट्रीय युवा दिवस
15 जनवरी- भारतीय सेना दिवस
18 जनवरी- पोलियो दिवस
23 जनवरी- नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती
24 जनवरी- राष्ट्रीय बालिका दिवस
25 जनवरी- राष्ट्रीय मतदाता दिवस
25 जनवरी- राष्ट्रीय पर्यटक दिवस
26 जनवरी- भारत में गणतंत्र दिवस
26 जनवरी- अंतर्राष्ट्रीय सीमा मुक्त दिवस
28 जनवरी- लाला लाजपत राय जयंती
30 जनवरी- शहीद दिवस

रहीम आलम, कक्षा- 5, प्राथमिक विद्यालय सुहागी

हिंदी ज्ञान

निबंध लेखन (भाग-4)

निबंध लिखते समय नीचे गई बातों का ध्यान में रखें

- निबंध में विषय पर पूरा ज्ञान होना चाहिए
- अलग-अलग प्रकार के अनुच्छेद को एक दूसरे के साथ जुड़े होना चाहिए
- निबंध की भाषा सरल होनी अनिवार्य है
- निबंध लिखे गए विषय की जितनी हो सके उतनी जानकारी प्राप्त करें
- निबंध में स्वच्छता और विराम चिन्हों पर खास ध्यान दें
- निबंध में मुहावरों का प्रयोग होना जरूरी है
- निबंध में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करें
- निबंध में आरंभ में और अंत में कविता की पंक्तियों का भी उल्लेख कर सकते हैं।

<u>समाप्त</u>

बालमन

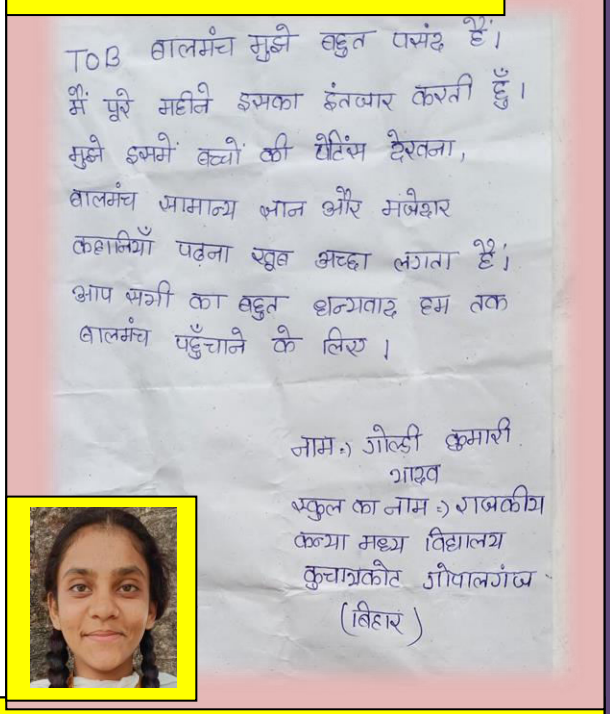

आओ योग सीखें..... भुजंगासन

भुजंगासन को इंग्लिश में कोबरा पोज कहा जाता है। बच्चों की बॉडी तो फ्लैक्सिबल होती हैं, लेकिन अगर छोटी उम्र से ही बच्चों को योग करने की आदत डालें, तो आगे चलकर भी उनकी बॉडी फ्लैक्सिबल रह सकती है।

भुजंगासन के लिए निम्नलिखित स्टेप्स फॉलो करें। जैसे:

स्टेप 1- सबसे पहले योगामैट बिछा समतल जमीन पर बिछा लें।

स्टेप 2- अब बच्चे को पेट के बल लिटाएं।

स्टेप 3- अब दोनों हाथों को कमर के पास थोड़ा आगे रखें।

स्टेप 4- अब हथेलियों से जोड़ लगाकर शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की ओर उठायें।

स्टेप 5- अब 5 से 6 सेकेंड के लिए इसी स्थिति में बच्चे को रहने के लिए कहें। भुजंगासन बच्चे 3 से 4 बार कर सकते हैं।

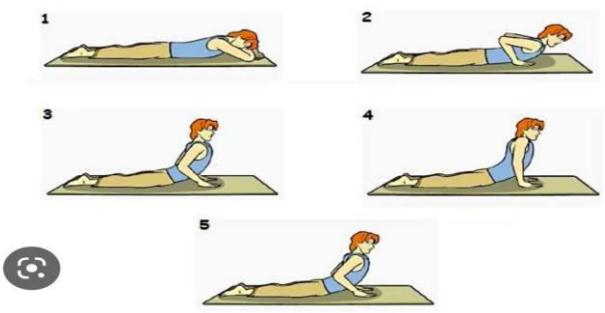

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

प्रेशर कुकर में खाना जल्दी पकता है, क्यों?

प्रेशर कुकर में विशेष प्रकार के ढक्कन होने के कारण वाष्प बाहर नहीं निकल पाता है और पानी के सतह के ऊपर जमा होता रहता है, इस कारण पानी की सतह पर दाब बढता जाता है, फलस्वरूप पानी का क्वथनांक 100° C से भी ज्यादा हो जाता है | यही कारण है कि प्रेशर कुकर में खाना शीघ्र पक जाता है |

-: प्रस्तुतकर्ता :-

त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

बेटी एक वरदान है.....

बेटी एक वरदान है,

बेटी ही देश की शान है।

मत समझो तुम इसे बोझ-

यही देश का मान है।

हर दुख में साथ निभाएंगे,

पुत्र का भी कर्तव्य निभाएंगे।

बेटी एक वरदान है,

बेटी देश की शान है।

घर मे खुशियां बरसाएंगी,

हर दुख दूर भगाएगी।

क्यूकी बेटी एक वरदान है,

बेटी ही देश की शान है।

मत समझो तुम इन्हें कमजोर,

ये तो झांसी की रानी है।

देवी का अवतार यही,

यही देश की गौरव है।

बेटी से ही यह दुनियां है,

बेटी देवी स्वरूप है।

बेटी एक वरदान है,

बेटी ही देश की शान है।

एकता कुमारी , वर्ग-8
मध्य विद्यालय पोखराम उत्तरी, बिरौल
जिला दरभंगा।

अखबारों के नजर में हम

टीचर्स ऑफ बिहार ने 'श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022' से संबंधित विषय पर जागरूकता हेतु आयोजित किया 'सवाल आपके-जवाब हमारे' एक्सक्लूसिव टॉक शो

टीचर्स ऑफबिहार के द्वारा आयोजित एक्सक्लूसिव टॉक शो 'सवाल आपके, जवाब हमारे' में शामिल हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह

स्मार्ट हलचल

बहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफबिहार ने 'श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022' से संबंधित विषय पर जागरूकता हेतु 'सवाल आपके-जवाब हमारे' एक्सक्लूसिव टॉक शो का आयोजन ऑनलाइन फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीपक कुमार सिंह, भा.प्र.से. अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा, कुलपति, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, डॉ. अनंत कुमार, प्रोजेक्ट निदेशक, बिहार कॉमिंस ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, डॉ. विजय कुमार, संयोजक-सह-कार्यकारी संयुक्त सचिव, बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी शामिल हुए।

ऑनलाइन टॉक शो 'सवाल आपके जवाब हमारे' को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के बच्चों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है इसे विभिन्न अवसरों पर दिखाने की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना है नहीं होता है। केवल परीक्षा में आने वाले प्रश्नों को हल कर लेने से ही हम पूर्णरूपेण योग्य नहीं बन सकते हैं। पठित विषय वस्तु का पूर्ण ज्ञान भी होना अति आवश्यक है।

नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, के कुलपति प्रो. (डॉ.) के.सी. सिन्हा कहा कि श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स परीक्षा 2022 में कक्षा 6 से 12 तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार सरकार द्वारा आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा राज्य के सभी 38 जिलों के राजकीय अभियांत्रिकी तथा पॉलिटेक्निक संस्थान में आयोजित की जाएगी। इसमें आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी 15 नवंबर से आवेदन कर रहे हैं। आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 3 दिसंबर निर्धारित की गई है। इस अवधि के बाद कोई अतिरिक्त समय विभाग द्वारा नहीं दी जाएगी।

बिहार कॉमिंस ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पटना, प्रोजेक्ट निदेशक, डॉ. अनंत कुमार ने कहा कि इस परीक्षा में 100 अंक के 25 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को एक घंटा का समय दिया जाएगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक चौथाई अंकों की कटौती की जाएगी। इतना ही नहीं एक समान अंक लाने वाले प्रतिभागियों के लिए उनके द्वारा लिए गए समय को पैमाना बनाया जाएगा। संबंधित अभ्यर्थी 8 दिसंबर के बाद बीसीएसटी के वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के संयोजक-सह-कार्यकारी संयुक्त सचिव, डॉ. विजय कुमार ने वर्ग 6 से 12वीं कक्षा तक के विद्यालयों के बच्चों से अनुरोध किया है कि अपने अंदर की छुपी हुई प्रतिभा को जरूर दिखाएं एवं इस परीक्षा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी प्रतिभा को राज्य स्तर पर जरूर दिखाएं।

एक्सक्लूसिव टॉक शो 'सवाल आपके, जवाब हमारे' में शामिल सभी अतिथियों के प्रति टीचर्स ऑफबिहार के फाउंडर शिव कुमार ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूर्व में भी बिहार के बच्चों एवं शिक्षकों के हित में इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और आगे भी बिहार के शिक्षा एवं शिक्षक हित में टीचर्स ऑफबिहार के द्वारा इस तरह के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। टॉक शो को टीम के सदस्य नम्रता मिश्रा एवं विनोद कुमार उपाध्याय ने मॉडरेट किया। उक्त जानकारी टीम के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

सवाल आपके-जवाब हमारे एक्सक्लूसिव टॉक शो में 'श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स 2022' पर ऑनलाइन चर्चा

चतुर्थ स्थापना दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार नें सबों को दिया बधाई

पटना । टीचर्स ऑफ बिहार परिवार के सभी साथियों को टीचर्स ऑफ बिहार के चतुर्थ स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारा परिवार नित्य नए आयाम को स्थापित करें, और बिहार के सरकारी विद्यालयों के लिए कार्य करने के लिए अग्रसर रहे। इस आशय की सूचना टी ओ बी के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार नें दी ।

प्रेरणास्रोत | मध्य विद्यालय सिंदुआर औरंगाबाद की शिक्षिका मृदुला सिन्हा के प्रयासों से बच्चे बन रहे बाल वैज्ञानिक

विज्ञान के प्रति सोच पैदा कर बच्चों को बना रहीं खास

पटना। जो बच्चे कभी विज्ञान पढ़ने से भागते थे, आज खुद विज्ञान का मॉडल तैयार कर रहे हैं। यह सब संभव हुआ शिक्षिका मृदुला सिन्हा के कारण जो विज्ञान के प्रति अलग सोच पैदाकर बच्चों को आम से खास बना रही हैं। मध्य विद्यालय सिंदुआर, औरंगाबाद की शिक्षिका मृदुला सिन्हा ने बताया कि मैंने 2019 में योगदान दिया। जब स्कूल में आई थी तो बच्चों में विज्ञान के प्रति कोई लगाव नहीं था। मैंने विज्ञान को खेल-खेल में पढ़ाना शुरू किया। इससे बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा हुई। बच्चे खुद मॉडल बनाते हैं। कई बच्चों का चयन इंस्पायर अवार्ड के लिए भी हो चुका हैं।

'एक सामान विद्यालय के नाम' कार्यक्रम से कमियां कर रहे दूर

शिक्षक शैलेंद्र कुमार अपने स्कूल में एक सामान विद्यालय के नाम कार्यक्रम चला रहे हैं। स्कूल के पास के इलाके के लोग स्कूल की जरूरत के हिसाब से सामान उपलब्ध करवाते हैं। उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल में दो स्मार्ट टीवी के साथ कंप्यूटर सेट लोग दे चुके हैं। दूसरे लोग भी आगे आ रहे हैं।

छात्राओं को विज्ञान के प्रयोग कराती औरंगाबाद की शिक्षिका मृदुला सिन्हा।

आसपास के स्कूली बच्चों को भी कर रही हैं जागरूक

शिक्षिका मृदुला सिन्हा ने बताया कि मैं दूसरे स्कूलों के बच्चों को विज्ञान के प्रति जागरूक कर रही हूं। अभी तक पांच हजार से अधिक बच्चों में विज्ञान के प्रति सोच को पैदा कर उन्हें इनोवेटिव बना चुकी हैं। हर साल इंस्पायर अवार्ड में शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्कूल के 50 से अधिक बच्चों के आइडिया को चुना जा रहा है। आईआईएसआर पुणे द्वारा उन्हें वैज्ञानिक सोच शिक्षक का खिताब 2022 में दिया गया है।

नेहा कुमारी, म. वि. पोखराम उत्तरी, दरभंगा

आरती कुमारी-8, रा.क.म.वि. कुचायकोट, गोपालगंज

Ums Barhariyan, Satyam Pathak, Class-6, Chand, Kaimur

कविता: हमारा हिन्दुस्तान

हम सब है हिन्दुस्तानी सारे
नन्हे मुन्ने हम है देश के सितारे,
फूलो जैसे हमे हमारी मां ने सवारे
भारत मां के सब आंखो के तारे |
आओ हम प्रण करे
इस हिन्दुस्तान को और हम संवारे,
जग मे किसी को समझे न गैर
अब न करे किसी से बैर|
फिक्र करे हम इस भारत की
बिगड़ी बात बनाने की,
रोकनी है हमे आंधी नफरत की
दुनियां को दिखानी है राह प्यार की|
हम सब है हिन्दुस्तानी सारे
जुल्म के आगे न सर झुकाने वाले,
हम है इस देश के रखवाले
हम सब है हिन्दुस्तानी सारे|

नाम - अक्स नाज, कक्षा- ९, ठाकुरगंज

Aradhna Kumari, Class-4, M.S.Galgalia

Jyoti Kumari, MS RUIDHASA

RADHIKA SARKAR CLASS-8 M.S GALGALIA.

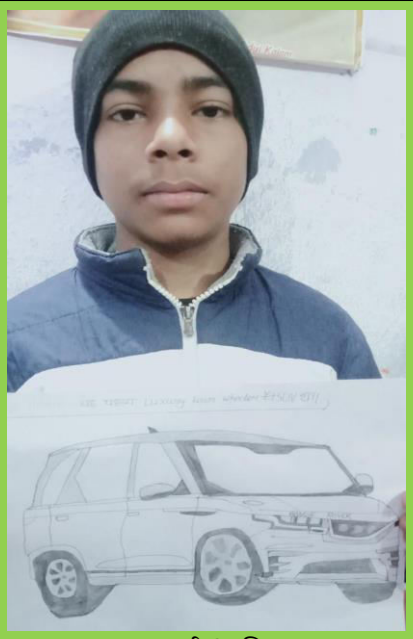

फुरकान आलम,वर्ग-9, विद्यालय टाउन हाई स्कूल, भभुआ, जिला कैमूर

Rizwi Begam class 5, UMS DO GACHHI

विद्यालयी क्रियाकलाप

PS Prakhand Colony, Phulwarisharif, Patna

आम खाओ आम,अच्छे,
ताजे आम
आम खाकर स्वस्थ बनो,
बड़े बुजर्ग की बात सुनो
खाकर मीठे आम। ।
मैं फलों का राजा हूं,ताजा ताजा आम ।।
करते हो तुम पसंद मुझे
फिर क्यों रहते बुझे बुझे
आओ खाओ एक बार
मीठे ताजे आम।

आर्या रानी, कन्या मध्य विद्यालय
जमालपुर, खगड़िया

Tanishka, M S Siropatti, Block-Khanpur, Samastipur

Shraddha Jha, High school Ramai, Araria

आंचल कुमारी वर्ग 09, UHS समौल

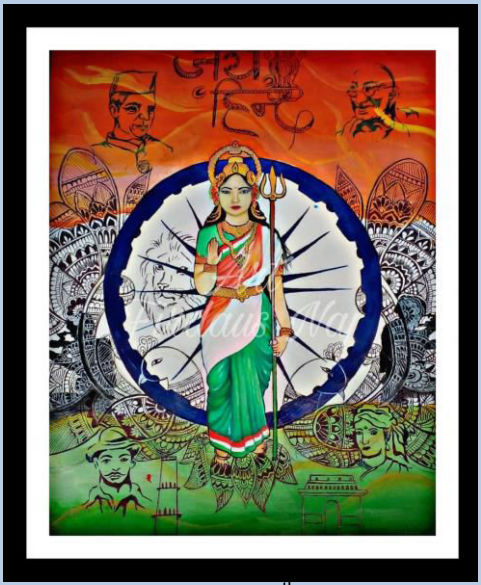

Firdaus Naj, Class-10th, H.S.Aurangabad

Tanishka, MS Siropatti

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ पटना

Ritika Ram Class-4 M.S.Galgalia

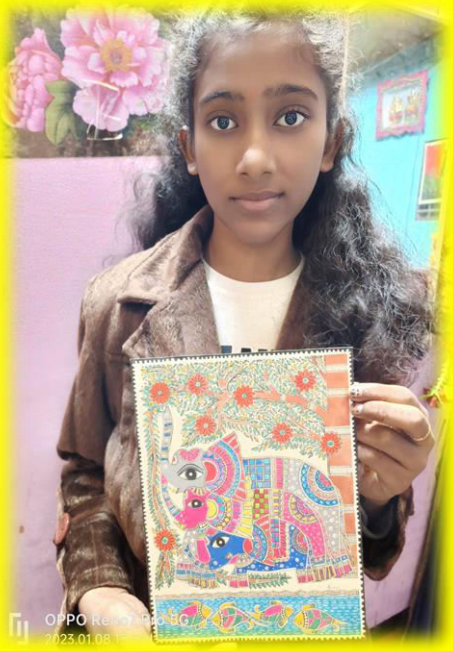

जयश्री कुमारी, म. वि. लहासनगंज, अररिया

Simran Kumari Class-4 MS Galgalia

Madhy Vidhyalay Siropatt, Samastipur

कविता – गुरु

गुरु के बिना ज्ञान नहीं,
ज्ञान के बिना कोई महान नहीं।
भटक जाता है जब इंसान,
तब गुरु ही देते हैं ज्ञान ।
ईश्वर के बाद अगर कोई है,
तो वो गुरु है।
दुनिया से वाकिफ जो कराता है,
वह गुरु है।
हमें जो अच्छा इंसान बनाता है, वो गुरु है।
हमारी कमियों को जो बताता है,
वो गुरु है।
हमें इंसानियत सिखाता है,
वो गुरु है।
हमारे अंदर एक विश्वास जगाता है,
वोगुरु है।

टिमशी कुमारी, वर्ग-6, मध्य विद्यालय चांद, कैमूर

SonaliRaj, Class-8 M.S.Galgalia

शैतान टिम्पू/ बाल कथा/ निधि चौधरी

चंचल वन में सभी जानवर बहुत प्यार से रहतें हैं। शेर सिंह, हाथी दादा, चम्पू बन्दर, डोडो हिरन, लम्बू जिराफ, स्वीटी खरगोश सभी एक दूसरे की खुशियों में और दुःख में शामिल रहतें हैं। चम्पू बन्दर का बच्चा टिम्पू बड़ा शैतान था। कभी जंगल के सबसे ऊँचे पेड़ पर चढ़ जाता। तो कभी हाथी दादा की पीठ पर बैठ सारे जंगल की सैर करता। और कभी झाड़ियों में छिप कर भोली गइया की पूँछ खींचता।

एक दिन टिम्पू को चम्पू ने बहुत समझाया कि तुम अपनी शैतानी के कारण बड़ी मुसीबत में पड़ सकते हो। चम्पू एकदम मासूमियत से कहता है पापा मैं अब कभी शैतानी नहीं करूंगा। और वो जंगल की सैर को निकल जाता है। तभी लम्बू जिराफ उधर से आ रहा होता है। और कहता है अरे टिम्पू बिटवा ज़्यादा दूर मत जाना उधर ख़तरा है। टिम्पू कहता है नहीं लम्बू काका अब मैं अच्छा बन्दर हो गया हूँ, अब मैं शैतानी नहीं करता। और वह उछलता हुआ उसी तरफ आगे बढ़ जाता है। थोड़ा आगे जाने पर उसे लम्बू जिराफ की बातें याद आती है लेकिन टिम्पू कहाँ सुधरने वाला था झट से एक लंबे पेड़ पर चढ़ गया और चिड़िया के घोसलें पर उसके छोटे बच्चों के साथ खेलने लगता है। तभी उसका ध्यान भटक जाता है और गलती से एक पतली सी डाल पकड़ लेता है और वह डाली टूट जाती है टिम्पू नीचे एक गड्ढे में गिर जाता है। और बहुत कोशिश के बाद भी निकल नहीं पाता।

शाम होने को है उधर चिम्पू बन्दर टिम्पू को ढूंढ ढूंढ कर परेशान हो रहा होता है। सभी से पूछते पूछते उसे लम्बू जिराफ मिलता है, अरे लम्बू भैया हमारे टिम्पू को देखा कहीं? लम्बू जिराफ कहता है -- हाँ हाँ अभी दोपहर में मिला था और कह रहा था मैं अच्छा बन्दर बन गया हूँ। मैंने उसे उधर उत्तर दिशा की तरफ जाने को मना भी किया था।

चिम्पू बन्दर कहता है अच्छा तब तो वह पक्का उधर ही गया होगा। लेकिन उधर बड़े बड़े गड्ढे और खाई है। इस बात से सभी परेशान हो जातें हैं। सभी जानवर मिलकर टिम्पू को ढूंढने लगते हैं। तभी उसी वक्त उधर से चुनचुन चिड़िया उड़ते हुए आती है और कहती है कि टिम्पू उधर गड्ढे में गिर गया है। और निकल नहीं पा रहा आप सब जल्दी चलिए।

उधर टिम्पू को गड्ढे में अपने पिता की बात याद आती है। और मन ही मन बहुत दुःखी होता है। काश मैंने पापा की बात मानी होती।

इतने में सभी जानवर वहां पहुँच जातें हैं। और टिम्पू को देख बहुत परेशान होते हैं। लेकिन टिम्पू को निकालना बहुत मुश्किल था। तब ही चमकी लोमड़ी ने दिमाग लगाया और पास के लंबे वृक्ष से लताएं तोड़ लाती है और हाथी दादा उसका एक सिरा अपने सूंढ़ में पकड़ लेता है और नीचे गड्ढे में दूसरा सिरा टिम्पू की तरफ फेकता है। थोड़ी देर में टिम्पू लता के सहारे बाहर आ जाता है। बाहर आते ही अपनी माँ से लिपट जाता है। और अपने पिता से वादा करता है पापा अब मैं कभी शैतानी नही करूँगा। हमेशा बड़ों की बात मानूँगा। उस दिन के बाद टिम्पू ने कभी शैतानी नहीं की।

सीख - इस कहानी से हमे सीख मिलती है कि हमे हमेसा अपने बड़ों की बात माननी चाहिए।

निधि चौधरी, किशनगंज, बिहार

Suhani Suman-6
MS Siropatt,
Samastipur

Suhani. M. S. Siropatti. Khanpur. Samastipur.

Suhani. M. S. Siropatti.
Khanpur, Samastipur.

Lakshmi Kumari-3, Rosera,
Samastipur

Suhani Suman- 6, Samastipur

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email-
balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp: 8877318781
(Tripurari Roy)

धन्यवाद

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

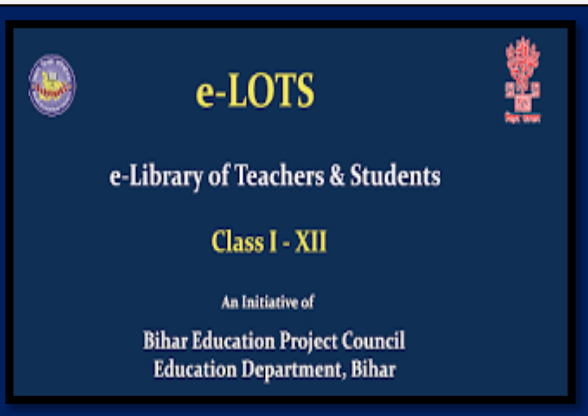

THANKS FOR A VIEW